Biodegradable Waste Composting Machine installed at The Internal Security Academy, CRPF, Mount Abu.

25/08/2020

Taking forward the Swachh Bharat Abhiyan, the Internal Security Academy, CRPF, Mount Abu installed a Biodegradable Waste Composting Machine at its Campus in Mount Abu for useful disposal of Bio-degradable Waste.

The 500 kg/day Capacity Machine was inaugurated by Dr. Gaurav Saini, IAS, SDM, Mount Abu in the presence of Shri Jitu Rana, Chairman, Municipality, Mount Abu, Dr. Arun Sharma, Environmentalist, Shri Sunil Acharya and other respected members of Media fraternity, and officers of ISA, CRPF, Mount Abu.

The Internal Security Academy, Mount Abu under able guidance of Shri Arun Kumar, Director/IG, has been always on the front in the cause of the environment protection. Be it a massive plantation drive or concern for disposal of waste, Shri Arun Kumar, IG has always provided constructively positive leadership. The installation of a Waste Composting Machine at ISA, Mount Abu is a reflection of Director's vision and a deep concern for the protection of nature.

Composting is a process of decomposing organic solid wastes into compost. Compost is an organic fertilizer and it is very good for the growth of plants. It is the need of the hour to increase Eco-consciousness among the people for protection of environment from harmful chemical fertilizers and pesticides and also for useful waste management. People want foods and vegetables free from chemicals and it has been seen that people grow vegetable in their kitchen gardens in their lawns or balconies. These people need organic fertilizers in place of chemical fertilizers. They can switch over to composts. The compost enriches the soil and provides moisture and suppresses plant diseases and pests.

The compost produced by the composting machine installed at ISA, CRPF, Mount Abu, will not only be provided to the jawans of CRPF, but it will be made available for general consumption of the local people of the area as well.

Hundreds of kilograms of organic waste is generated at ISA, CRPF, Mount Abu and that is being dumped in the garbage dumps or dumping grounds where it decomposes and produces micro-organisms that may be harmful to the people's health. Mount Abu is a tourist place with abundance of hotels and restaurants where the production of bio-degradable waste is very high. Such an initiative will also be an eye-opener to the civil administration, the hoteliers, the restaurant owners, and the people at large, to visualize requirement of more such bio-degradable waste composting machines.

Continues…..

As we know, food waste is one of the biggest global issues that the world faces nowadays. One of the recent statistics said that 1.4 billion tons of food is wasted every year. We all know that the waste of food is unavoidable, so the best way to make this food waste useful is by composting the organic waste and returning the nutrients back into the soil.

Similarly other bio-degradable waste like leaves, branches, twigs, agricultural waste, rotten fruits, vegetables etc. can be disposed of by composting. Making compost keeps these materials out of landfills where they take up space and release methane, a potent greenhouse gas.

welcome of Dr. Gaurav Saini, SDM, Mount Abu by Officers of ISA, CRPF.

Inauguration of Bio-degradable Waste Composting Machine by Dr. Gaurav Saini, SDM, Mount Abu

Dr. Gaurav Saini, SDM, Mount Abu Switching on the Machine after religious rituals.

Dr. Gaurav Saini, SDM, Mount Abu, Sh. K.K. Pandey, Comdt.(Trg.) ISA, Mount Abu, Dr. Arun Sharma, Environmentalist and all Officers of ISA present at the Inauguration of Bio-degradable Waste Composting Machine.

स्वच्छ भारत मिशन के तहत की वेस्ट कंपोस्टिंग मशीन की स्थापना

नवज्योति/माउंट आबू।

आबू में मंगलवार को केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल आंतरिक सुरक्षा अकादमी में स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत वेस्ट कंपोस्टिंग मशीन की स्थापना उप जिला कलक्टर डॉ गौरव सैनी की अध्यक्षता में की गई। गौरतलब है कि स्वच्छ भारत अभियान के तहत बायोडिग्रेडेबल वेस्ट की उपयोगी निस्तारण के उद्देश्य से यह मशीन स्थापित की गई है।

इस मौके पर कमांडेंट के के पांडे ने जानकारी दी कि यह वेस्ट कंपोस्टिंग मशीन प्रतिदिन 500 किलोग्राम बायोडिग्रेडेबल वेस्ट को कंपोस्ट में बदलने की क्षमता रखती है। इस

मशीन के द्वारा निर्मित कंपोस्ट ऑर्गेनिक फार्मिंग के काम में लाई जाएगी। आंतरिक सुरक्षा अकादमी को ही नहीं बल्कि माउंट आबू के आम नागरिकों को भी इस्तेमाल के लिए दी जाएगी।

उन्होंने बताया कि उक्त मशीन केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के महानिरीक्षक अरुण कुमार की पर्यावरण के प्रति दूरदर्शिता एवं स्वच्छ भारत अभियान के प्रति निष्ठावान परिणाम स्वरूप उक्त मशीन की स्थापना की गई है। इस मौके पर पालिका अध्यक्ष जीतू राणा, पर्यावरणविद डॉ. अरुण शर्मा, सुनील आचार्य, उप कमांडेंट लहरी राम मीणा, अभिज्ञान कुमार, पवन कुमार, करतार कपूर सहित आंतरिक सुरक्षा अकादमी केंद्र रिजर्व पुलिस बल के अधिकारी एवं समस्त कार्मिक उपस्थित थे।

पाया गया।

रुई की गणेश प्रतिमा

सिरोही हाल सांतपुर निवासी सुरेश कुमार प्रजापत ने रुई से प्रतिमा बनाई है। सांतपुर में उकाराम के निवास स्थान पर पर्यावरण प्रेमी चेतन सोनी व यशवंत सोनी ने यह प्रतिमा तैयार करवाकर पर्यावरण संरक्षण के साथ पर्व मनाने का संदेश दिया।

सभापति बोले-

कचरे से उत्पन्न खाद का आम नागरिक कर सकेंगे उपयोग

अब कचरा निष्पादन बायो मशीन से

माउंट आबू @ पत्रिका. उपखंड अधिकारी डॉ. गौरव सैनी ने कहा कि पर्यटन स्थल माउंट आबू पर्यावरणीय परिस्थितिकी संवेदनशील अंचल होने की वजह से यहां के ठोस व तरल कचरा निष्पादन पूर्ण रूप से वैज्ञानिक पद्धति से किया जाना पर्यावरण संरक्षण के हित में होगा। यह बात उन्होंने मंगलवार को केरिपुबल की ओर से कचरा निष्पादन की पुख्ता व्यवस्था बनाने को लेकर बायो डिग्रेडेबल वेस्ट के उपयोगी निस्तारण को लगाई गई मशीन के उद्घाटन अवसर पर आयोजित कार्यक्र म में कही।

बल कमांडेंट के. के. पाण्डे ने कहा कि कचरा निष्पादन प्रावधानों के अनुसार ही इसके लिए सीआरपीएफ हमेशा ही गंभीर है। इसके चलते कचरा निष्पादन मशीन स्थापित करने से लोगों में जागरूकता बढ़ेगी। उन्होंने बायो डिग्रेडेबल वेस्ट मशीन की उपयोगिता के संदर्भ में जानकारी देते हुए कहा कि वेस्ट कंपोजिंग की यह मशीन प्रतिदिन पांच सौ किलोग्राम वेस्ट को कम्पोस्ट में बदलने की क्षमता रखती है। यह आर्गेनिक कृषि व उद्यानिकी कार्यों के काम में ली जायेगी, जो केरिपुबल को ही नहीं बल्कि स्थानीय आम बाशिंदों को भी उपयोग करने देने की व्यवस्था है।

उन्होंने कहा कि स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत

माउंट आबू में विधिवत पूजा, अर्चना कर मशीन का शुभारंभ करते अतिथि।

पुलिस महानिरीक्षक, आंतरिक सुरक्षा अकादमी निदेशक अरुण कुमार के नेतृत्व में वेस्ट कंपोजिंग मशीन की स्थापना की जा रही है। आईएएस हमेशा ही पर्यावरण सुरक्षा के लिए प्रयासरत रहा है। जो आगे भी करता रहेगा। इस अवसर पर पालिका अध्यक्ष जीतू राणा, डीसी एल.आर.मीणा, अभिज्ञान कुमार, पवन कुमार, के.एस. कपूर, बल के अधिकारी, कार्मिक व नागरिक उपस्थित थे।

अवधिपार ऋणी किसानों का 50 प्रतिशत ब्याज होगा माफ

सिरोही. राज्य सरकार की ओर से सहकारी भूमि विकास बैंकों के अवधिपार ऋणी कृषकों के लिए कृषि/अकृषि एकमुश्त समझौता योजना 2020-21 लागू की गई है। इसके तहत एक जुलाई 2019 को अवधिपार ऋणियों एवं मृतक ऋणियों के ब्याज एवं दण्डित ब्याज मे पात्रतानुसार छूट दी जा रही है। योजना में अवधिपार श्रेणी के किसानों का दण्डित ब्याज 50 प्रतिशत तक माफ किया गया है। सिरोही सहकारी भूमि विकास बैंक लि. के सचिव दिनेश कुमार बोहरा ने ने बताया कि योजना में प्राथमिक सहकारी भूमि विकास बैंकों के सभी प्रकार के एक जुलाई 2019 को अवधिपार हो चुके कृषि एवं अकृषि ऋण 30 नवम्बर 2020 तक चुकाने होंगे। ऐसे अवधिपार ऋणी किसान जिनकी मृत्यु हो चुकी है, उनके परिवार को मृत्यु के पश्चात सम्पूर्ण बकाया ब्याज, दण्डनीय ब्याज एवं वसूली खर्च को माफ कर राहत दी गई है।

Local News Paper cuttings